सामाजिक विज्ञान की प्रस्तावना

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
0	सामाजिक विज्ञान की प्रस्तावना	आत्म बोध, विवेकशील सोच, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान	म्यूजियम का भ्रमण, पेटिंग, मूर्तियों तथा पुरातत्व अवशेषों को देखकर इतिहास को जानना और समझना

अर्थ

सामाजिक विज्ञान का उद्देश्य अपने समाज के हर पहलू को समझना तथा सामाजिक समस्याओं का हल ढूंढना है। यह विभिन्न विषयों में संबंध स्थापित करने में हमें सक्षम बनाने में सहायता करता है। सामाजिक विज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण शाखायें हैं: अर्थ शास्त्र, इतिहास, पुरातत्व विज्ञान, भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं समाज शास्त्र

सामाजिक विज्ञान की मुख्य शाखाएं

- **इतिहास:** अच्छा जीवन जीने की चाह में अधिसंख्य पुरुष व महिलाओं के सहकारी और सहयोगपूर्ण कार्यो की कहानी को इतिहास कहते हैं।
- **पुरातत्व विज्ञान:** प्राचीन काल के समाज तथा संस्कृति के अध्ययन को पुरातत्व विज्ञान कहते हैं। प्राचीन समय की घटनाओं के अंशों को हम पदार्थ अवशेषों के द्वारा खोज सकते हैं; जैसे कि कलासत, कब्रों, टूटी हुई ऐतिहासिक इमारतों, हस्तलिपि, स्तम्भ, धातु की तख्तियों, सिक्कों, मोहरों, औजारों, खिलौनों तथा तस्वीरों इत्यादि के द्वारा
- **भूगोल:** पृथ्वी की बनावट, लोगों, स्थानों तथा वातावरण का अध्ययन है। भूगोल ऐसा विशिष्ट विषय है जो सामाजिक विज्ञान को प्राकृतिक विज्ञान से जोड़ता है।
- **राजनीति विज्ञान:** यह राजनीति के सिद्धांतों तथा कार्यप्रणाली से संबंधित है तथा राजनैतिक व्यवस्था और राजनैतिक बर्ताव का विश्लेषण करता है। इसमें घटनाओं तथा परिस्थितियों के बीच संबंधों का अध्ययन किया जाता है।
- **समाजशास्त्र:** यह सामाजिक संदर्भ में मानव व्यवहार का अध्ययन है। यह समाज की संरचना एवं कार्य प्रणाली को समझने पर केन्द्रित होता है।
- **अर्थशास्त्र:** यह मनुष्यों द्वारा उत्पादन, उपभोग एवं सम्पति के चयन हेतु अपनाये जाने वाले विभिन्न तरीकों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह मनुष्य की जरूरतों तथा उपलब्ध संसाधनों के बीच सन्तुलन का सामाजिक विज्ञान है।

मानव का विकास

- मानव लगभग 20 लाख वर्ष पूर्व प्रकट हुआ था।
- यह कपि से मिलते जुलते थे जो गुफाओं या पेड़ों पर रहते थे।
- लेखन कला की खोज बहुत ही महत्वपूर्ण खोज थी।
- प्रागैतिहास वह काल हैं जिसका कोई लिखित प्रमाण नहीं मिलता
- इतिहास उस काल को कहते हैं जिसका लिखित प्रमाण मिलता है

पाषाण काल
- पुरापाषण (5,00,000 ई. पू. से 1,00,000 ई. पू.) भोजन संग्रहक
- मध्य पाषाण (10,000 ई. पू. से 8,000 ई. पू.) अग्नि की खोज
- नव पाषाण (8,000 ई. पू. से 4,000 ई. पू.) भोजन उत्पादक

सामाजिक विज्ञान तथा आज के समाज की समस्याएं

हालांकि मानव ने मात्र शिकार करने से शुरू हो कर अंतरिक्ष काल तक विकास कर लिया है, परन्तु फिर भी उसकी कई समस्याएँ है, जिनमें कुछ है:

- गरीबी व भुखमरी
- सम्पति का असंतुलित वितरण
- बेरोज़गारी तथा अल्प रोज़गार
- कर की चोरी,काला धन तथा सामांतर अर्थ व्यवस्था
- सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार
- प्रदूषण तथा पर्यावरण का अपक्षय
- देश-प्रेम तथा राष्ट्रवाद की भावना का अभाव
- लैंगिक भेदभाव
- हिंसा, आतंकवाद तथा नक्सलवाद
- राष्ट्रीय एकीकरण में क्षेत्रवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिकता जैसे अवरोध

मनुष्य की प्रगति के विभिन्न चरण

- शिकारी के रूप में युग: भोजन संग्रहक का प्रारंभिक चरण
- देहात (गांव) का जीवन: कृषि का प्रारंभ तथा स्थायी जीवन के रूप में
- शहरी कस्बों की जिन्दगी: भोजन उत्पादक, धातुओं की खोज से शिल्पों का विशिष्टीकरण हुआ।
- नगरीय जीवन: संस्कृति तथा सभ्यता का विकास। चित्रकारी, संगीत, मूर्तिकला तथा वास्तुकला जैसी कलाओं का विकास

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. मानव विकास के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए।

प्र. आज के समाज की किन्हीं पांच समस्याओं को सूचीबद्ध कीजिए

प्र. सामाजिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं की व्याख्या कीजिए